हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 22 अप्रैल 2024

11 बाबा साहेब के संविधान की बदौलत ही आज देश ...

12 10 साल के शासन में भाजपा सरकार ने बढ़ाई ...

खबर संक्षेप

रैली की तैयारियों को लेकर बैठक आज

महेंद्रगढ़। शहर के जयराम सदन में 22 अप्रैल को पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी की आवश्यक बैठक लेंगे। इस बैठक में भिवानी- महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी चौधरी धर्मवीर सिंह भी मौजूद रहेंगे। बैठक में आगामी 25 को महेंद्रगढ़ की सब्जी मंडी में सीएम नायब सिंह सैनी व रक्षा मंत्री ठाकुर राजनाथ सिंह की होने वाली रैली की तैयारी को लेकर कार्यकताओं की जिम्मेदारियां लगाई जाएंगी।

अग्रवाल सभा में भंडारा कल

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में 23 अप्रैल को अग्रवाल सभा भवन में हनुमान जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव पर सीताराम मंदिर में हवन कल

नारनौल। हनुमान जन्मोत्सव को लेकर शहर के मोहल्ला संघीवाड़ा स्थित सीताराम मंदिर में धार्मिक संस्था श्रीराम हनुमान गुणगान प्रचार मंडल एवं श्रीराम मेहंदीरपुर बालाजी सेवा संघ के तत्वावधान में 23 अप्रैल को सुबह साढ़े पांच बजे हवन का आयोजन किया जाएगा।

दौचाना में हनुमान जयंती पर मेला 23 को

नारनौल। हनुमान जयंती पर गांव दौचाना में 23 अप्रैल को मेले के साथ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। मेले का आयोजन सेठ रामेश्वरदयाल, बुधराम, बंशीधर की ओर से किया जाएगा। सतपाल शर्मा ने बताया कि मेले में पंजाब स्टाइल कबड्डी, कुश्ती का आयोजन किया जाएगा।

सीमेंट की कुर्सी के नीचे दबने से बच्चे की मौत

महेंद्रगढ़। गांव माजरा कलां में शनिवार की देर शाम खेलते समय सीमेंट की कुर्सी के नीचे एक 14 वर्षीय बच्चा दब गया। उपचार के दौरान बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार गांव नौताना निवासी दशरथ काफी समय से अपने परिवार के साथ गांव माजरा कलां में रहा है। शनिवार की देर शाम को उसका बेटा ऋषि अपने दोस्तों के सीमेंट की कुर्सी के समीप खेल रहा था। मिट्टी धंस गई तथा सीमेंट कुर्सी के नीचे दबने से ऋषि घायल हो गया हैं।

एआईयूटीयूसी के कर्मचारी आज डीसी को सौंपेंगे ज्ञापन

नारनौल। केंद्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी से जुड़ी यूनियन 22 अप्रैल को पिछले छह महीनों का बकाया वेतन की मांग को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेंगी। इस बारे में जिला प्रधान एआईयूटीयूसी मास्टर सुबेसिंह, एआईयूटीयूसी से जुड़ी यूनियन ग्रामीण चौकीदार संगठन हरियाणा के जिला प्रधान सुरेश चंद नंगली, ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन हरियाणा के जिला प्रधान महेंद्र सिंह चौहान, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन मौजूद रहेंगे।

आईफोन भेजने का झांसा देकर 59 हजार ठगे

कनीना। साइबर फ्रॉड करने वाले हैकर्स ने चेलावास गांव के एक युवक को आईफोन उपहार में भेजने के नाम पर झांसे में देकर 59 हजार रुपये का फ्रॉड कर दिया। इस बारे में पीड़ित अमन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते समय उनके मोबाइल फोन पर दो अज्ञात नंबर से कॉल आई। जिसमें कहा कि आपके पास आईफोन, स्मार्ट वाच, आईपैड व ब्ल्यूटूथ भेज रहा हूं। जिसकी एवज में दो हजार रुपये सर्विस चार्ज अदा करना होगा। इतना कहकर मोबाइल पर स्केनर भेज दिया।

शहर की सड़कों की हालत खस्ता, अधिकारी काम कराने की बजाय तबादले कराने में रखते हैं रुचि

- नगर पालिका की नई कार्यकारिणी का गठन होने के बाद शहर में नहीं हुआ है कोई भी विकास कार्य
- अगस्त 2022 में छोड़ा गया था शहर की सड़कों मरम्मत का टेंडर, ठेकेदार ने अभी तक शुरू नहीं किया विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर की सड़कों की हालात बहुत दयनीय हो चुकी हैं, लेकिन नगर पालिका ने अधिकारियों के संज्ञान में कई शहर टूटी सड़कों का मुद्दा उठाया जा चुका है, लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। नगर पालिका का गठन हुए 22 माह बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक शहर में कोई विकास कार्य शुरू नहीं हुआ हैं। नगर पालिका में कार्यरत अधिकारी शहर में काम कराने की रूचि दिखाने की बजाय तबादला कराने में ज्यादा रूचि दिखा रहे हैं।

बता दें कि जून 2022 में नगर पालिका की कार्यकारिणी के चुनाव हुए थे। शहर के लोगों को नई कार्यकारिणी से शहर में विकास को लेकर काफी उम्मीदें थी, लेकिन शहर के लोगों की उम्मीदें धरी की धरी रह गई। करीब 22 माह बीतने के बाद भी शहर के कोई विकास कार्य शुरू नहीं हो पाया हैं। शहर की अधिकांश सड़कों की हालत काफी खस्ता है। टूटी सड़क के कारण कई बार हादसे भी हो चुके हैं। आमजन द्वारा लगातार सड़कों की मरम्मत की मांग की जा रही है, लेकिन सड़कों की मरम्मत को लेकर अधिकारी बिल्कुल भी गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

डीएमसी के समक्ष भी रखा जा चुका है टूटी सड़कों का मुद्दा: पिछले दिनों डीएमसी महेंद्रगढ़ नगर पालिका के दौरे पर आए थे। इस दौरान शहर के पार्षदों ने शहर की टूटी सड़कों का मुद्दा रखा था। पार्षदों की ओर से ठेकेदार द्वारा मरम्मत नहीं करने का बात कहीं थी। डीएमसी ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही ठेकेदार के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। करीब एक माह बीत जाने के बाद भी अधिकारियों की ओर से ठेकेदार के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया हैं। अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा शहर की जनता को उठाना पड़ रहा हैं।

8 माह बाद भी शुरू नहीं हुआ सड़कों की मरम्मत का काम

अगस्त 2023 में नगर पालिका की ओर से शहर के 15 वार्डों के 45 लाख रुपये का पेचवर्क कार्य, करीब 8 लाख की लागत से साइन बोर्ड व करीब 8 लाख की लागत से नाला सफाई का टेंडर छोड़ा गया था। पेचवर्क का कार्य दो ठेकेदारों को दिया गया था। जिसमें एक ठेकेदार ने वार्ड नंबर 4, वार्ड 6 व वार्ड 7 पेचवर्क का कुछ कार्य भी किया गया था, लेकिन बाद पेमेंट जारी नहीं होने के डर से कार्य बंद कर दिया गया। वहीं दूसरे ठेकेदार को शहर के 9 वार्ड में पेचवर्क, साइन बोर्ड व नाला सफाई के कार्य की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन ठेकेदार की ओर तक कोई कार्य नहीं किया गया। इसको लेकर कई बार शहर के पार्षद नगर पालिका के उच्च अधिकारियों तक अपनी बात रख चुके हैं, लेकिन अभी तक ठेकेदार के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया। यह ठेकेदार नगर पालिका में कार्यरत एक अधिकारी का रिश्तेदार बताया जा रहा हैं।

महेंद्रगढ़। वार्ड नंबर-11 की मुख्य सड़क में बने गहरे गड्ढे व शहर के रेलवे रोड की सड़क की खस्ता हालात। *फोटो : हरिभूमि*

जिले में छह नए 33 केवी विद्युत सब स्टेशनों का होगा निर्माण

गर्मी में नहीं लगेंगे कट, बिजली आपूर्ति होगी 24 घंटे

बिजली आपूर्ति सुदृढ़ करने के लिए दक्षिण हरियाणा बिजली प्रसारण निगम करवा रहा है नए विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बिजली निगम जिले में बिजली वितरण को और सुदृढ़ बनाएगा। इसके तहत जिले में 33 केवी के 6 नए विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण किया जाना है। इससे जिले के लोगों को अब दूरी के हिसाब से लंबे फीडरों के कारण होने वाली ओवरलोड समेत बिजली की दूसरी समस्याओं से निजात मिल सकेगी। बिजली निगम ने टेंडर प्रक्रिया पूरी करने उपरांत यह कार्य अलाट कर दिया है। इन सब स्टेशनों के इस साल के अंत तक तैयार होने की संभावना है। इन कायार्ें के पूर्ण हो जाने के बाद जिले के लोगों को काफी हद तक बिजली की समस्या से निजात मिलेगी।

प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे जिला महेंद्रगढ़ में वैसे तो बिजली की स्थिति एक दशक पहले की तुलना में काफी सुदृढ़ हो चुकी है और अधिकांश गांव एवं शहर अब म्हारा गांव जगमग गांव योजना से जुड़ने के चलते 16 से 24 घंटे की बिजली आपूर्ति देने वाले बन गए हैं। हालांकि गर्मी के सीजन में बिजली कटों की समस्या उत्पन्न होना आम बात है, लेकिन अब नए फीडर बनने से यह समस्या भी दूर हो सकेगी। बता दें कि ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत सब स्टेशनों की कमी के चलते फीडरों की दूरी के हिसाब से लंबाई अधिक है। ऐसे में लाइन लोस की गंभीर समस्या बनी हुई है।

इसके अलावा कई विद्युत सब स्टेशनों पर कई साल पहले लगाए गए 10 एमवीए के ट्रांसफार्मर भी ओवरलोड होने लगे हैं। इस समस्याओं के चलते गर्मी के सीजन में बिजली की डिमांड बढ़ते ही जिले में बिजली की गंभीर समस्या पैदा हो जाती है। इसके चलते जिले के लोग लगातार जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार के समक्ष जिले में नए पॉवर हाउसों का निर्माण करवाने उठाते आ रहे हैं।

नारनौल। निर्माणाधीन विद्युत सब स्टेशन *फोटो : हरिभूमि*

इन गांवों में बनेंगे विद्युत सब स्टेशन

लोगों की मांग को देखते हुए प्रदेश सरकार ने बीते वर्ष 2023 में बिजली निगम से पॉवर हाउसों की डिमांड का खाका तैयार करवाया था। इसके चलते बिजली निगम ने जिले के गांव चयनित करते हुए नए पॉवर हाउसों की डिमांड की थी।

जिस पर गांव चिंडालिया, महरमपुर, कटकई, निंबी-छाजियावास, देवास व बलाना में 33 केवी के नए विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण तय हुआ और सरकार ने भी मंजूरी प्रदान कर दी। इन पॉवर हाउसों के निर्माण की स्वीकृति मिलने तथा बजट मंजूर करने के बाद बिजली निगम ने गत दिनों टेंडर मांगें थे, जिस पर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर अग्रवाल कंपनी को निर्माण कार्य अलाट कर दिया है। टेंडर मिलने उपरांत कंपनी ने भी निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। इन पॉवर हाउसों का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद बिजली निगम लंबे फीडरों को विभाजित कर लोगों को बिजली की समस्या से निजात दिलाएगा।

110 गांवों के लोगों को मिलेगा लाभ

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम नारनौल के अनुसार गांव चिंडालिया, महरमपुर, कटकई, निंबी-छाजियावास, देवास व बलाना में 33 केवी के विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद जिले के करीब 110 से अधिक गांवों के लंबे फीडरों को इन पॉवर हाउसों पर विभाजित किया जाएगा। इससे लाइन लोस, ओवरलोड व पॉवर कट जैसी समस्याओं पर रोक लगे सकेगी। इस प्रकार जिले के लोगों को बिना किसी पावर कट निर्बाध बिजली मिलने लगेगी। इन कायार्ें के पूरा होने के बाद जिले के करीब 110 से अधिक गांवों के लोगों को बिजली की समस्या से निजात मिलेगी।

जिले में 24 घंटे बिजली आपूर्ति संभव

पहले से बने विद्युत स्टेशना एवं नए छह विद्युत सब स्टेशनों से जिला में बिजली आपूर्ति बढ़ जाएगी। इन विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण होने पर जिले के सभी गांवों में शहरों की तर्ज पर 24 घंटे बिजली आपूर्ति संभव हो सकेगी। इसके लिए निगम ने जिले के अधिकांश गांवों में नई केबल लगाने, खंभों को बदलाने, पुरानी जर्जर लाइनों एवं ट्रांसफार्मरों की मरम्मत करने का कार्य शुरू कर रखा है, जिससे भी जिलावासियों को फायदा मिलेगा।

पुरानी लाइनें व पोल भी बदला जा रहा

जिले में बिजली आपूर्ति सुधार के लिए छह नए 33 केवी के विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण करवाया जा रहा है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर अग्रवाल कंपनी को निर्माण कार्य अलॉट हुआ है। इसके साथ ही पुरानी लाइनों व पुराने पोल को भी बदला जा रहा है। ट्रांसफार्मरों की भी मरम्मत की जा रही है। *-रंजन राव, एसई, बिजली निगम, नारनौल।*

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। *फोटो : हरिभूमि*

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों हेतु ऑनलाइन पंजीकरण आज से

- 21 मई तक चलेगी ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2024 के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों के नतीजे घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण 22 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 21 मई तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी, जिसके आधार पर संबंधित कार्यक्रमों में दाखिले प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर के अभ्यर्थियों का स्वागत करता है और उनके बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढ़ेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 22 अप्रैल से शुरू होने हो रही है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण 21 मई तक करवाया जा सकता है। विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद् शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया हेतु अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा, जिसके आधार पर पंजीकृत आवेदकों को दाखिले के अवसर उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विवि की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार द्वारा किया जा रहा है।

कनीना। लोकसभा चुनाव के मध्य नजर फ्लैग मार्च निकालते अर्द्ध सैनिक बल के जवान। *फोटो : हरिभूमि*

लोस चुनाव: कनीना में पुलिस-पैरामिलिट्री के जवानों ने निकाला फ्लैग मार्च

- फ्लैग मार्च से जहां आम आदमी में सुरक्षा की भावना पैदा होगी और वे निर्भीक होकर मतदान करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के निर्देशानुसार पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों व पैरामिलिट्री के जवानों ने सौहार्दपूर्ण, भाईचारा व सुरक्षा का संदेश देने के उद्देश्य से क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला और लोगों से भयमुक्त मतदान करने की अपील की। वहीं उन्होंने असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को लेकर पुलिस को सूचित करने की बात कही।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों व पैरामिलिट्री के जवानों ने आमजन को निर्भीक होकर मतदान करने का संदेश दिया और पुलिस जवानों को चुनाव के दौरान कड़ी चौकसी बरतने के निर्देश दिए। इस अवसर पर थाना प्रभारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस के जवान पूरी तरह सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा कि फ्लैग मार्च से जहां आम आदमी में सुरक्षा की भावना पैदा होगी और वे निर्भीक होकर मतदान करेंगे। उन्होंने पुलिस कर्मचारी/जवानों से कहा कि चुनाव के दौरान आम आदमी के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उनका सहयोग लें और उपद्रवियों तथा असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटे। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने युवाओं से भी अपील की कि किसी प्रकार की अफवाहों में आकर उग्र प्रदर्शन न करें। उग्र प्रदर्शन करने वाले किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल जाने के लिए घर से निकली महिला लापता

कनीना। शहर थाना अंतर्गत एक गांव से 40 वर्षीय महिला लापता हो गई। इस बारे में महिला की सास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पुत्रवधु 19 अप्रैल को दोपहर तीन बजे अस्पताल जाने का नाम लेकर घर से निकली थी, जो देर सायं तक वापिस नहीं लौटी। उन्होंने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

एनएच 151-डी पर कट की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

राष्ट्रीय राजमार्ग 152-डी पर सेहलंग-बाघोत के बीच वाहनों के प्रवेश मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों की ओर से शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना रविवार को 406वें दिन भी जारी रहा। जिसकी अध्यक्षता लक्ष्मण सिंह सेहलंग ने की। उन्होंने कहा कि सरकार के आश्वासन के बावजूद यहां पर कट का निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा। जिससे ग्रामीणों में रोष पनप रहा है। छितरोली के नरेंद्र शास्त्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार जनहित के मुद्दों की अनदेखी कर रही है। धरना संघर्ष समिति के प्रधान विजय सिंह ने कहा कि सरकार धरना स्थल पर बैठे ग्रामीणों की मांग को अनदेखा कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक कट का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। चुनाव के दौरान ग्रामीण सरकार का विरोध भी करेंगे। इस मौके पर सतपाल, विजयपाल, रामकिशन, रणधीर पहलवान, मनीराम अत्री, हरिओम पोता, बेड़ासिंह आदि मौजूद रहे।

कनीना। कट की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

जीएल पब्लिक स्कूल बस हादसा | **प्रशासक नियुक्त होने के बाद पिछले सप्ताहभर से नहीं पहुंचे छात्र**

बच्चे भेजने को लेकर असमंजस में अभिभावक चेयरमैन को आज कोर्ट में पेश करेगी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

उन्हाणी गांव के समीप 11 अप्रैल को हुए सड़क हादसे में मारे गए छह मासूम विद्यार्थियों की घटना के बाद स्कूल में बच्चों को भेजें या नहीं इस बात को लेकर अभिभावक असमंजस में हैं। झाड़ली के अभिभावकों की ओर से नशेड़ी बस चालक के रवैये को लेकर स्कूल प्रबंधन को बार-बार शिकायतें की जा रही थी। इसके बावजूद भी कोई सकारात्कम कदम नहीं उठाया गया।

उन्होंने कहा कि घटना वाले दिन खेड़ी के अभिभावकों ने अपने बच्चों को बस से उतार लिया था। नतीजतन बच्चें हताहत होने से बच गए। झाड़ली, धनौंदा व खरकड़ा बास के अभिभावक सतर्क नहीं हो पाए। जिसके चलते इन गांवों के बच्चे अधिक प्रभावित हुए।

कनीना में स्कूल बस हादसे का मामला

पांच दिन के पुलिस रिमांड पर स्कूल चेयरमैन, डायरेक्टर अभी भी फरार

कनीना। हरिभूमि में 19 अप्रैल को प्रकाशित समाचार।

पूरा इलाका छह विद्यार्थियों की अकाल मौत से सहमा हुआ है। अधिकांश अभिभावक इस स्कूल में बच्चे भेजने से किनारा कर रहे है, तो कुछ असमंजस के भंवर में फंसे हुए हैं। प्रशासक डीटीपी महावीर प्रसाद ने कहा कि स्टॉफ विद्यालय में हाजिर हो रहा है, लेकिन बच्चे नहीं आ रहे हैं। बस सुविधा का भी अभाव माना जा रहा है।

रिमांड के दौरान पुलिस ने बस चालक सहित स्कूल के दस्तावेज व सीडीआर कब्जे में ली

कनीना में कोसली रोड स्थित जीएल पब्लिक स्कूल बस हादसे के सप्ताहभर बाद पुलिस गिरफ्त में आए स्कूल संचालक एवं चेयरमैन राजेंद्र सिंह लोढा को पांच दिन के रिमांड के बाद पुलिस सोमवार को पुनः कोर्ट में पेश किया जाएगा। रिमांड अवधि के दौरान पुलिस ने बस चालक सहित स्कूल के दस्तावेज व सीडीआर अपने कब्जे में ली है। डीएसपी महेंद्र सिंह ने बताया कि राजेंद्र सिंह लोढा को हादसे के सप्ताहभर बाद बव्वा, जिला रेवाड़ी से गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि बस चालक धर्मेंद्र वासी सेहलंग व जीएल पब्लिक स्कूल की प्राचार्या दीप्ति राव व जीएल शिक्षा समिति के सचिव होशियार सिंह को पुलिस ने पहले ही काबू कर लिया था। इसके बाद चालक के साथ बस में शराब पीने वाले हरीश, भूदेव, संदीप व नरेश कुमार को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। स्कूल प्रबंधन के तीन सदस्यों सहित कुल आठ आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। विद्यालय के एमडी सुभाष लोढा पुलिस पकड़ से बाहर है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

साहित्य

तर्कों की झड़ी, तर्कों की धूलि और अन्धबुद्धि. ये सब आकुल व्याकुल होकर लौट जाती है, किन्तु विश्वास तो अपने अन्दर ही निवास करता है, उसे किसी प्रकार का भय नहीं है।

-रवींद्रनाथ टैगोर

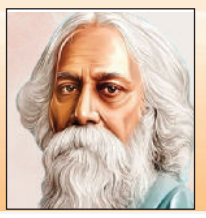

कहा जाता है कि बिना कुछ किए तो सोने की खदान भी खाली हो जाती है। उसका बेटा लक्ष्मी लाल भी उन्हीं के नक्शेकदमों पर चलता रहा। देखते-देखते परिवार बढ़ा और लोगों की जरूरत भी। अब बच्चों की पढ़ाई, घर की सारी आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं हो पाता।

कहानी | डोली शाह

स्मरण

गंगा प्रसाद बचपन से ही एक रईस दबंग खानदान से ताल्लुक रखता था। वह पुरखों की बनाई हुई चाय बागान की ही थोड़ी बहुत देखभाल करता और अपना जीवन व्यतीत करता। वह कम पैसों में ही बंजर पड़ी जमीन को जरूरतमंदों को समझा देता, लेकिन जिस तरह कहा जाता है कि बिना कुछ किए तो सोने की खदान भी खाली हो जाती है। उसका बेटा लक्ष्मी लाल भी उन्हीं के नक्शेकदमों पर चलता रहा। सोचता किसी न किसी तरह आखिर पेट तो भर ही जाएगा। देखते-देखते परिवार बढ़ा और लोगों की जरूरत भी। अब बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें, राशन- पानी, सारी आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं हो पाता। तभी उसने एक छोटी सी पंक्ति खोली लेकिन वहां भी खरीदार से ज्यादा टाइम पास करने वालों का ही तांता लगा रहता। एक दिन बेटा टिंकू अपने दोस्तों के साथ चाय बागान पहुंचा। चलते-चलते वह बागान के अंतिम छोर तक पहुंचने ही वाला था कि टिंकू ने कहा-यार! मैं तो थक गया और चलना मेरे बस में नहीं! अन्य दोस्त ने कहा 'इतनी जल्दी!'

'हां फिर तो यदि पूरा बागान होता तो कभी जा ही ना पाते।' 'क्या?' 'हां, वह तो लोगों के बसने के कारण इतनी छोटी हो गई है। यह सारा जो दाढ़ी वालों की बस्ती है,पहले लक्ष्मी अंकल का ही था।'

'सचमुच।' 'हां,कभी अपने पापा से पूछकर देखना, पहले जितनी जमीन अभी होती तो तुम लोगों की शायद पैसे रखने की भी जगह ना होती। वह तो दूसरों को देने के कारण खेती की जमीन छोटी हो गई और उर्वरता कम होकर दिन प्रतिदिन फसलें भी कम होती जा रही हैं। टिंकू ने घर पहुंचते ही पूछा, 'पापा हमारे बागान के उत्तर की तरफ जो मकान है क्या वह हमारी जमीन थी।' 'हां बेटा , तुम्हारे दादाजी बहुत दयालु थे, जब भी कोई उनसे अपना दुखड़ा कहता, वह उसे सही मान लेते और ऐसा करके ही उन्होंने पूरी जमीन का आधा हिस्सा औरों में ही बांट दिया है।'

'पापा फिर आपने कुछ कभी कहा नहीं?'

'क्या कहूं उन दाढ़ी वालों को, किसी से कहने भी जाओ तो कहते हैं हमें गंगा प्रसाद जी ने दिया है।' 'तो क्या उन्होंने कागजी दस्तावेजों पर भी अपना हाथ साध लिया है?' ' हां,अपनी तरफ से उन्होंने थोड़ा बहुत जुगाड़ तो कर ही लिया है।'

इतने में एक कर्मचारी पूरे दिन का हिसाब किताब लेकर लक्ष्मी लाल जी के पास पहुंचा। बातों-बातों में उसने बताया, 'इरफान के घर के आगे दो-तीन दिनों से एक पक्के मकान की नींव दी जा रही है। आज पूछा तो पता चला कि 'वहां एक मस्जिद के निर्माण की तैयारी चल रही है।'

'क्या?' 'हां साहब, उनकी मंशा तो बढ़ती ही जा रही है। इन्हें रोकना होगा लेकिन ठंडे दिमाग से! वह सैकड़ों वर्षों से रहते हैं। मैंने कुछ नहीं कहा लेकिन आज उन्हें रोकना होगा।' अगले दिन प्रातःकाल लक्ष्मी लाल वहां पहुंचा। 'अरे! साहब, आप अचानक यहां कैसे!'

'नहीं बस यूं ही, बहुत दिन हो गए थे तो देखने आ गए।' 'लेकिन इरफान तुम यह यहां क्या बनवा रहे हो, पहले कच्चे मकान की जगह पक्के मकान तक तो कोई बात नहीं, लेकिन अब हम किसी धर्म स्थान की इजाजत नहीं देंगे।'

'क्यों यह हमारी जमीन है, हम चाहे जो भी करें।'

'इरफान यह तुम भी बखूबी जानते हो और मैं भी..., देखो मैं कोई झगड़ा-झंझट नहीं चाहता, लेकिन मैं यहां कोई कम्युनल बिल्डिंग बनने नहीं दूंगा! ना कोई मंदिर, ना कोई मस्जिद, चाहे कुछ भी हो जाए।' 'लेकिन क्यों' 'किसी और की जमीन पर रहने से वह अपनी नहीं हो जाती।'

'देखते हैं हमें कौन रोकता है बनवाने से' इरफान ने गुस्से में लाल-पीला होकर कहा। टिंकू ने जाकर पुलिस में केस दर्ज कर दिया जिससे मामला काफी गंभीर हो गया। नामौजदूगी की वजह से केस कोर्ट तक पहुंच गया। तारीख- पर-तारीख करते काफी वक्त गुजर गया। पिता की उम्र देख अब टिंकू ही हर दिन पढ़ाई से बचे समय में ही चाय बागान देखने जाता। इरफान की बेटी फराह भी इस बागान में पत्ती तोड़ने आती। उसका पतला, लंबा, छरहरा बदन रूप-रंग, गठन, मानो देखते ही बनता था। टीकू भी उसे बड़े ध्यान से देखता। वह उससे बातें करने का प्रयास भी करता, लेकिन वक्त ने कभी साथ नहीं दिया। एक तरफ मालिक तो दूसरी तरफ कर्मचारी..! एक दिन टिंकू कर्मचारियों को वेतन दे ही रहा था कि फराह कुछ देर से पहुंची। टिंकू ने मौका देख उससे पूछा 'आज इतनी देर से तुम?''हां ! घर का कुछ काम करने लगी थी, कोई बात नहीं...' पूरा दफ्तर सन्नाटा हो चुका था। इस सप्ताह कितने दिन काम किया था?' 'पूरे 6 दिन साहब।' 'लेकिन फराह, तुम्हें थोड़ा इंतजार करना होगा!'

'क्यों साहब?' 'मैंने भांगीलाल को छुट्टे लाने भेजा है। आता ही होगा!' फराह की चुप्पी देख वह खुद को रोक नहीं पाया। बोला, 'क्या बात है, इतनी चुप्पी?' 'कुछ तो बोलो अकेले हैं हम।'

'क्या बोलूं?' 'कितनी पढ़ाई की है तुमने?' 'दसवीं तक, फिर छोड़ दिया।' 'पढ़ने का मन नहीं करता साहब!' 'तुम चाय बागान में काम मत किया करो!' 'क्यों?' 'ऐसे ही।' 'अच्छा नहीं लगता ,तुम्हें काम करते देखकर।' 'लेकिन साहब केवल अब्बू की कमाई से भोजन-पानी, पढ़ाई का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है, जिससे मुझे भी काम करना पड़ता है।' टिंकू उसे टकटकी लगाए देखता रहा । फराह नजर झुकाए बैठी थी। 'क्यों लेकिन 12वीं तक की पढ़ाई के सारे खर्चे तो सरकार मुफ्त ही दे रही है सिर्फ विद्यार्थियों का मन होना चाहिए। तुम कहो तो अब्बू से बात करूं? 'करिए ...लेकिन लगता नहीं कि अब्बू मानेंगे।' इतने में भांगीलाल छुट्टे लेकर पहुंचा। टिंकू ने फराह को 1200 रुपये थमाए। मन ना होते हुए भी उसे जाना पड़ा। टिंकू मन ही मन चिंतित हुआ कि कुछ दिन पहले ही झगड़ा और फिर मैं यह सब क्या सोच रहा हूं ,कैसे बोलूंगा। फिर एक दिन वह कुछ दोस्तों के साथ फराह के घर पहुंचा। अब्बू अवाक होकर बोले, 'अब यहां तुम! यहां क्यों आए हो!' 'यूं ही बस। चाचा जी! केरल सरकार ने चाय जनजाति की बालिकाओं को नयी योजना में 12वीं तक की शिक्षा केलिए बिल्कुल मुफ्त शिक्षा नीति प्रारंभ की है। यहां तक कि रहने-खाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी और यदि अच्छे नंबरों से पास किया तो मुफ्त स्कूटी तक प्रदान की जाएगी। सचमुच यदि हमारे गांव की लड़कियों को स्कूटी की सुविधा मिल गई तो कितना गौरव बढ़ेगा। 'फराह ने तो दसवीं तक पढ़ाई कर छोड़ ही दिया।'

'अब भी कुछ देर नहीं हुई, मन हो तो वह पढ़ सकती है।' 'हां बात तो तुम सही कह रहे, पता करके सारी स्कीम की जानकारी मुझे दो।'

'जी जरूर। उसने उसका 11वीं में दाखिला भी करा दिया। अब टिंकू रोज प्रातःकाल चाय बागान से होकर ही कॉलेज जाता जिससे दोनों को एक दूसरे की आदत-सी पड़ गई। कोर्ट में कार्रवाई के लिए तारीख पर तारीख। उधर दोनों के बीच रिश्ते को आगे बढ़ाने का वादा। अब टिंकू को अजहर के खिलाफ कोर्ट में गवाही के लिए खड़े होने में बड़ा अटपटा सा लगता। तभी एक दिन बातों ही बातों में फराह ने टिंकू से कहा 'हमारे गांव में ऐसी कोई जगह नहीं जहां थोड़ी देर अकेले बैठकर समय व्यतीत किया जा सके।' 'अरे! फरहा, समय है किसके पास!' 'फिर भी मन तो होता है, कभी कुछ वक्त अपने साथ, प्रकृति के साथ बिताने का।' 'है तो अपना चाय बागान!' 'अरे ! दोस्त! वहां भी तो हर टाइम कर्मचारी ही रहते हैं।'

'बात तो तुम्हारी सही ही है।'

टिंकू मन ही मन सोचता रहा इतने में फराह बोली 'क्यों ना हमारे अब्बू ने जहां मस्जिद के लिए निर्माण कार्य शुरू किया था वहीं उनकी गुजारिश से एक ओर पार्क का निर्माण कराया जाए।'

'हां ,सचमुच।' 'लेकिन टिंकू इस बात को तुम पहले अब्बू को बोलना!' टिंकू ने अगले दिन ही इरफान के पास अपनी इच्छा प्रकट की, 'चाचा जी अब बाबूजी अक्सर अस्वस्थ ही रहते हैं और अकेले मुझसे केस -फौजदारी होगा नहीं।'

'तो क्या कहना चाहते हो?'

'चाचा जी क्यों ना हम उसी जमीन पर एक छोटे से पार्क का निर्माण करायें, जिससे कुछ देर तो इंसान प्रकृति के बीच रह सके, अपने आप से बातें कर सके और जगह जमीन लेकर क्या लड़ना-झगड़ना। सब को तो खाली हाथ ही जाना होगा।' इतने में फराह चाय लेकर पहुंची- 'अब्बू चाय।'

चाय पीकर उठते हुए पिंटू ने कहा, 'चाचा जी मैं चलता हूं लेकिन मेरी बातों पर विचार जरूर कीजिएगा, क्योंकि गांव में एक पार्क यदि हो जाए तो पूरे गांव का विकास भी होगा।' यह बात ज्यों ही इरफ़ान ने घर पर बताई, 'बताएं?' फराह फौरन बोली । 'अब्बू यह बहुत अच्छा विचार है, पार्क होगा तो बाहर से लोगों का आना-जाना भी होगा। संस्कृति का आदान-प्रदान भी होगा। अब्बू ना मत करो! प्लीज ,यह तो गोल्डन ऑपच्यरुनिटी है,अब्बू अपनी स्मृति बनाने के लिए।

सोचिए ना, मस्जिद बनती तो सिर्फ वहां हमारे ही धर्म के लोग आते, लेकिन पार्क में तो हर धर्म समुदाय के लोग आएंगे। सबके बीच आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।' इरफान बेटी की बातों को ना नहीं कर सका। बोला, 'अच्छा तुम लोगों की मर्जी।' फराह ने फौरन यह सूचना टिंकू को दी। टिंकू ने भी अपने घर पर सारी बातें बताई। वह अगले दिन ही प्रातः काल बागान पहुंच टिंकू ने पूछा, 'इरफान साहब! क्या सोचा मेरी बातों पर?' 'चलो ठीक है। लेकिन मैं ने तो मस्जिद के लिए इस जमीन पर एन ओ सी लिया था। अब कोर्ट की कागजी कार्रवाई सिर्फ तुम्हें ही करनी होगी।' आप हां तो कीजिए, बाकी सब हम देख लेंगे।' 'लेकिन एक शर्त है क्या इसमें मेरा भी नाम रहेगा।' 'अच्छा चलिए वह भी मान लिया।'टिंकू वहां से चल दिया। वह घर आकर ही फौरन कॉलेज पहुंचा । फराह से मिलकर बोला, 'हमारी मेहनत रंग ला गई। तुम्हारे अब्बू ने मुझे पार्क के लिए कागजी कार्रवाई तैयार करने को बोला है।' यह सुन दोनों के चेहरे पर एक सांत्वना की खुशी की लहर दौड़ गई। 'सचमुच कभी सोचा नहीं था कि अब्बू मान जाएंगे। इसलिए तो कहा जाता है प्रयास ही सफलता की पूंजी है, सच्ची अब हमारे रिश्ते भी प्रयास के बदौलत ही सफल होंगे।' हां इतना कह के दोनों जोर से हँस पड़े।

(लेखिका शिक्षिका एवं साहित्यकार हैं)

कविता | नृपेन्द्र अभिषेक नृप

उन्हें अब वक्त नहीं

ये दुनिया बड़ी निष्ठुर है
जिन पर आप
अपनी जान छिड़कते हैं
वे वक्त आते ही बदल जाते हैं

जिनके लिए आपका
हर पल होता है
उन्हें वक्त नहीं होता
जब उनका वक्त आता है
जिनके जीवन का
आधार थे कभी आप
एक वक्त के बाद उनके
आधार भी बदल जाते हैं

स्तम्भ के सानिध्य में
आपके रिश्तों को भी
वे तोड़ जाते हैं
क्योंकि अब उनके पास
वक्त नहीं है आपके लिए
आपके सपनों के लिए
आपके अपनों के लिए
और आपके रिश्तों के लिए

दुनिया की रीत है यही
लोग आपके वक्त को देख
अपना वक्त बदल लेते हैं।

कविता | निधि राठी

खुशनुमा

हर रोज थोड़ा संवरती है, थोड़ा संभलती है,
इतराती है, आईने से बातें करती है,
हवा सी उड़ती है, खुशनुमा सी हस्ती है,
मिजाज गरम है, लहजा नरम है,
हार जाएगी, ये तुम्हारा भ्रम है,
खिलखिला कर निकल जाती है वो इन तंग गलियों से,
कुछ ऐसे खुदा के उसे पर कर्म है।

पुराने ख्यालों की लड़की है,
हल्की सी बिंदी और गजरे से अपने बालों को सजाती है,
आसमान से बातें करती है, चांद के संग ठहाके लगाती है, सितारों से बहस करती है, सूरज को मात देती है,
यूं तो फूल सी नाजुक है पर कांटों से भिड़ जाती है,
यूं ही लोग उसे माया नहीं कहते,
वो अपनी मोहब्बत से पत्थर में जान डाल जाती है।

बड़ी गहरी बातें करती है, प्रेम में विश्वास रखती है,
अजीज बना ले अगर किसी को,
तो दिल की बेहद गरीब रखती है,
ठोकरें खाती है, फिर उठ जाती है,
कई बार अपनों से ही मार खाती है,
आहट तक नहीं आती उसकी तकलीफ़ के शोर से,
कुछ इस कदर अपने जज़्बातों को संभाल कर रखती है।

लघुकथा | अम्बिका कुमारी कुशवाहा

रिश्ते

गुप्ता जी बड़ी देर से बालकनी में टहल रहे थे। काफी चिंतित दिख रहे थे और बार बार मेन गेट की ओर देखे जा रहे थे। तभी उनकी पत्नी साधना जी चाय लेकर आती है और कहती है 'क्यों इतना परेशान हो रहे हो? थोड़ी देर कुर्सी पर बैठ भी जाओ। गुप्ता जी ने एक गहरी सांस ली और वही कुर्सी पर बैठ चाय पीने लगे।

गुप्ता जी की चिंता का कारण उनकी बेटी पायल जो आज ही अपने ससुराल से आ रही है। गुप्ता जी का छोटा बेटा उसे लाने गया है। तभी मेन गेट खुलता है गुप्ता जी की बेटी पायल अपने भाई स्वराज के साथ घर में आती है। गुप्ता जी और उनकी पत्नी बेटी का हाल चाल लेते है उसके तुरंत बाद पायल अपने पुराने कमरे में चली जाती है। गुप्ता जी पत्नी बेटी के लिए खाना बनाने को कह किचन में चली जाती है। गुप्ता जी फिर से कुर्सी पर बैठ गहरी सोच में डूब जाते है। गुप्ता जी ने अपनी बेटी पायल को काफी पढ़ाया लिखाया था पायल एक सॉफ्टवेयर कंपनी में जॉब भी करती थी। गुप्ता जी ने बेटी का विवाह एक प्रतिष्ठित परिवार में किया था। पायल का पति एक अच्छे पद पर कार्यरत है। लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद ही पायल ने अपनी नौकरी छोड़ दी। लेकिन क्यू?? ये पायल ने अपने मां बाप को बताया नही। जब हदें पार कर गई, पायल का पति उसे अनेक तरह से प्रताड़ित करने लगा तब पायल ने अलग होने का फैसला लिया। और मां पापा को बताया की वो वापस आ रही है। बेटी के रिश्तों को बचाने के लिए मां बाप ने भी काफी कोशिश की लेकिन कोई हल नहीं निकला। पायल पूरी तरह टूट चुकी थी। स्त्रियां जो होती है वो अंत तक कोशिश करती है रिश्तों को बचाने की। रिश्ते महज उनके लिए रिश्ते नही बल्कि उनकी भावनाओं के साथ एक जुड़ाव होता है। अलग होने के फैसला बहुत कठिन होता है लेकिन जब रिश्तों की बुनियाद खत्म हो जाती है तब कुछ बचाने को बचा नही होता है। और उस रिश्ते से बाहर निकल जाना ही एक रास्ता बचा होता है। गुप्ता जी और उनकी पत्नी भी बेटी की तकलीफों के आगे बेबस थे। फिर भी बेटी को हौसला देने को खड़े है। समाज ऐसा है की लड़कों का अतीत महज एक कहानी होती है लेकिन लड़कियों का अतीत कलंक बन जाता है। गुप्ता जी कुर्सी से उठकर बेटी के कमरे की ओर गए साथ में उनकी पत्नी भी पीछे से नाश्ता लेकर गई।

साहित्य हमें सही रास्ता दिखाता है। श्रेष्ठ साहित्य आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा तनावमुक्त बनाता है। इसलिए हमें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। लोगों की पढ़ने की आदत छूट रही है, किंतु अब भी अच्छा साहित्य पढ़ने वाले बहुत हैं। कुछ लोग मोबाइल का सहारा लेकर पढ़ लेते हैं। आज के युग ऑनलाइन साहित्य पढ़ा जा रहा है। पुस्तकें खरीदने का चलन एक तरह से खत्म हो गया है।

साक्षात्कार | शशि कांत चौहान

कालजयी रचनाओं की कमी से साहित्य के पाठक हुए कम: डॉ सुमन

कालजयी और स्तरीय लेखन में कमी आने से युवाओं ही नहीं, बल्कि हर उम्र के पाठक वर्ग में कमी आई है। अच्छा साहित्य पढ़ने को मिले तो सभी की रुचि होगी और साहित्य पढ़ने के प्रति प्रेरित होंगे। यह कहना है महिला साहित्यकार डॉ. डॉ सुमन कादयान का।

वह कहती हैं कि युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि कम होने का दूसरा बड़ा कारण यह है कि आज उसके सामने धनोपर्जन की बड़ी चुनौतियां है। आज युवा सबसे पहले आजीविका कमाने का साधन ढूंढने को प्राथमिकता देता है। इतना ही नहीं कमाई का एक नहीं वह कई इनकम सोर्स चाहता है, इसलिए वह साहित्य पढ़ने को कम तवज्जो दे रहा है। आज का युवा रोजगार के चक्कर में संस्कृति, प्रकृति और कला से भी विमुख हो गया है, यही कारण है कि वह असंवेदनशील हो गया।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति ठीक है। हम जानते हैं कि लोगों की पढ़ने की आदत छूट रही है, किंतु अब भी अच्छा साहित्य पढ़ने वाले बहुत हैं। कुछ लोग मोबाइल का सहारा लेकर पढ़ लेते हैं। आज के युग ऑनलाइन साहित्य पढ़ा जा रहा है। पुस्तकें खरीदने का चलन एक तरह से खत्म हो गया है। साहित्य की महत्ता कभी खत्म नहीं हो सकती। 25 फरवरी 1972 को रोहतक जिले के कंसाला गांव में जन्मी सुमन के पिता रामधारी सिंह खोखर रोहतक जाट स्कूल में गणित में अंग्रेजी के शिक्षक थे। माता धनपति देवी गृहिणी थी। हालांकि परिवार में साहित्य से किसी का जुड़ाव नहीं था। भाई-बहन भी साहित्य से नहीं जुड़े हुए थे, लेकिन पढ़ने में सबकी रुचि थी। बचपन से ही बहुत कुछ लिखने की इच्छा थी किंतु घर का माहौल साहित्यिक नहीं था। शादी के बाद उन्हें साहित्यिक माहौल मिला तो उनके अंदर का साहित्यकार सक्रिय हो गया तथा लिखना आरंभ किया। एक बार लेखन शुरू किया तो फिर कलम रुकी ही नहीं। डॉ सुमन कादयान का साहित्य के बारे में मानना है कि साहित्य हमें सही रास्ता दिखाता है। श्रेष्ठ साहित्य आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा तनावमुक्त बनाता है। इसलिए हमें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। लोक साहित्य में रुचि कैसे पैदा हुई इस बारे में उन्होंने बताया कि वैसे तो लोक साहित्य व संस्कृति में मेरी बचपन से ही रुचि थी, किन्तु शादी के बाद पति साहित्यकार डॉ ओमप्रकाश कादयान का साहित्य एवं लोक संस्कृति के प्रति समर्पण भाव देखकर उचित माहौल मिल गया।

पहले लेख लिखे फिर कविताएं आरम्भ की। डॉ सुमन कादयान के लेखन का फोकस लोक साहित्य पर है। वे आसपास एकत्रित हुई औरतों से लोक साहित्य संग्रह कर लेती हैं। उनकी पहली कविता थी- ***यादों के समंदर में डूब जाने को जी चाहता है***
उसमें से मोती निकालने को जी चाहता है
काश! कोई लौटा दे वो सुंदर-सा बचपन मेरा
दोबारा जिंदगी जीने को जी चाहता है।

साहित्य लिखते-लिखते आकाशवाणी केंद्र से बहुत-सी वार्ताएं व कार्यक्रम प्रसारित हुए तो अच्छा लगा। लेखन में कठिनाई कोई नहीं आई। उनके आलेख अधिकतर हरियाणवी लोककला, संस्कृति व सांस्कृतिक विरासत पर रहे हैं। इसके अलावा कुछ सामाजिक मुद्दों पर लिखनी चली। कविताएं प्रकृति, संस्कृति व प्रेम पर आधारित रही हैं। सुमन की आरम्भिक शिक्षा जाट स्कूल, रोहतक, फिर आईसी महिला महाविद्यालय से स्नातक तथा आगे की पढ़ाई कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय,से हुई। ये हेलना कौशिक महिला महाविद्यालय, मलसीसर (झुंझनू) में हिन्दी की सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थी। घर से अधिक दूर होने के कारण नौकरी छोड़ दी। वर्तमान में ये ओम स्ट्रलिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ सुमन कादयान की हरियाणा के संस्कार गीत, हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत, देवी शंकर प्रभाकर : बहुमुखी प्रतिभा के धनी, चिलमन से झांकती निगाहें, उसकी चाहतों का समन्दर, माट्टी की खुश्बू, महकता मधुमास, कतरा कतरा जिंदगी, रास्तों की शुरुआत और सुलगते जज्बाज आदि ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा इनकी रचनाएं देशभर के विभिन्न पत्र पत्रिकाओं और समाचारों में प्रकाशित होती हैं तथा रोहतक, कुरुक्षेत्र तथा हिसार आकाशवाणी से वार्ताएं प्रसारित हुई हैं।

डॉ सुमन कादयान

पुरस्कार व सम्मान

डॉ सुमन कादयान देवीशंकर प्रभाकर अवार्ड, पंजाब कला साहित्य अकादमी पंजाब का विशेष अकादमी सम्मान, निराला कला साहित्य संस्थान, बस्ती (यूपी) से 'राष्ट्रीय साहित्य गौरव' सम्मान, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर (बिहार) द्वारा 'साहित्य शिरोमणि' सम्मान के साथ-साथ अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुकी हैं। जिसमें रानी लक्ष्मीबाई सम्मान, कवि त्रिलोचन सम्मान एस-एफ-वाई-डी- (दिल्ली) द्वारा प्रदान किये गए। फोटोग्राफी में हरियाणा लोक सम्पर्क विभाग तथा उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा भी सम्मान पा चुकी हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नामः डॉ सुमन कादयान
जन्मतिथिः 25 फरवरी 1972
जन्म स्थानः कंसाला रोहतक (हरियाणा)
शिक्षाः एम.ए. हिन्दी, पी.एच.डी. डी लिट मानद (विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ) भागलपुर बिहार

सृजनशील व्यक्ति को बार-बार आना चाहिए

पुस्तक समीक्षा | दिनेश दिनकर

पुस्तक : मैं फिर आऊंगा
लेखक : लक्ष्मीनारायण पांचाल
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : सुलेखा प्रकाशन

दस पुस्तकों के पन्नों पर कलम और चित्रकारी के हजारों पन्नों पर रंग की कूची चलाने वाले सृजनशील व्यक्ति लक्ष्मीनारायण पांचाल जी अपनी आत्मकथा के रूप में ग्यारहवीं पुस्तक 'मैं फिर आऊंगा' के साथ पाठकों के समक्ष उपस्थित हैं। उम्र और सृजन क्षेत्र में छह दशक बिता चुके वरिष्ठ कवि, लेखक और कला अध्यापक रहे पांचाल जी अपने अनुभवों को निचोड़ते हुए एक सार्थक आत्मकथा के रूप में प्रस्तुत करने में निश्चित रूप से सफल रहे हैं। पुस्तक में दस अध्यायों में अपने बचपन से लेकर पुस्तक छपने तक के निजी जीवन, शैक्षणिक जीवन, परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने अनुभवों, दायित्वों, विचारों को बेहद शालीनता के साथ यहां क्रमबद्ध किया गया है। लेखक ने अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ एक कुशल सृजनशील का परिचय देते हुए अपनी कमियों और समाज में सुधारों की ओर भी अपनी कलम को आजाद रखा है।

'मैं फिर आऊंगा' आत्मकथा में 70-80 के दशक की जीवनशैली से अनभिज्ञ पाठक जब लक्ष्मीनारायण की दिनचर्या को पढ़ते हैं, पुस्तक में संकलित इनकी यात्रा वृत्तांत को पढ़ते हुए इसमें शामिल होते हैं तो लगता है मानो सामने कोई चलचित्र चल रहा हो। इस बात का जिक्र आत्मकथा में लेखक की पोती अवन्तिका भी करती रहती है। यहां शब्दों के चयन, लेखक के साहित्यिक अनुभव की तारीफ करना एक कृतज्ञता लगता है। जवाहर नवोदय विद्यालय में कला अध्यापक के पद पर रहते हुए लेखक को भारत के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में पोस्टिंग, अलग-अलग तरह के विचारों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और लोगों से मिलने का अवसर मिलता रहा है। जिसके परिणामस्वरूप यहां आत्मकथा में घटनाओं, अनुभवों और उपलब्धियों में अधिकता देखने को मिलती है। निश्चित रूप से जवाहर नवोदय विद्यालय से संबंध रखने वाले लाखों विद्यार्थी और स्टाफ के साथ कला और साहित्य प्रेमियों के लिए यह पुस्तक एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में अपनी पहचान बनाएगी।

यहां कहना अतिश्योक्ति होगा कि निजी जीवन, परिवार, समाज, शिक्षा, देश की संस्कृति, तकनीक, पारिवारिक संस्कार और एक नागरिक होने के प्रति जिम्मेदारी इत्यादि को लेकर सच्चाई से परिचय करवाते हुए रेखांकित घटनाओं में काल्पनिकता का अभाव है जिससे पाठक इस आत्मकथा और यात्रा वृत्तांत से अपनापन महसूस करेंगे।

साहित्यकारों के जीवन में झांकती किताब

पुस्तक समीक्षा | अरुण कुमार कैहरबा

पुस्तक : आत्मकथाएं: साहित्यिक परिवेश
लेखक : डॉ. सुरेन्द्र कुमार
मूल्य : 300 रुपये
प्रकाशक : कलमकार पब्लिशर्स

डॉ. सुरेन्द्र कुमार की 'आत्मकथाएं: साहित्यिक परिवेश' साहित्यकारों के जीवन में झांकने वाली एक बेहतरीन किताब है। रामदरस मिश्र, हंसराज रहबर, हरिवंश राय बच्चन, गोपाल प्रसाद व्यास, उपेन्द्रनाथ अश्क, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, काका हाथरसी, ओम प्रकाश वाल्मिकी सहित कितने ही साहित्यकारों की आत्मकथाओं के जरिये उनके प्रसंग इस किताब में संजोए गए हैं। साहित्यकारों के आपसी संबंधों और विशेष घटनाओं का किताब में विवरण ही नहीं है, बल्कि उनके साहित्य के प्रेरक तत्वों की समीक्षा भी है। किताब को छह अध्यायों में बांटा गया है, जिनमें पहला अध्याय 'काव्य लेखन का साहित्यिक परिवेश' है। यह अध्याय किताब के सबसे अधिक पन्ने ले गया है। इसका एक कारण तो यह लगता है कि लेखक की कवियों व उनकी कविताओं में दिलचस्पी है। दूसरा कारण यह भी लगता है कि पुस्तक का हिस्सा बने अधिकतर साहित्यकार लेखन की शुरूआत काव्य लेखन से ही करते हुए दिखाई देते हैं। लेखक कहता है- 'बच्चन, नगेन्द्र, अमृतलाल नागर, गोपाल प्रसाद व्यास, बेचन शर्मा उग्र, काका हाथरसी, निराला प्रायः सभी रचनाकारों ने काव्य लेखन के द्वारा ही साहित्य के क्षेत्र में कदम रखा। विभिन्न कवियों के काव्य-संग्रह और उनके समय के कवि सम्मेलन साहित्य और कविता के लिए माहौल का निर्माण करते हुए लोगों में चेतना का निर्माण कर रही थी।दूसरे अध्याय 'गद्य लेखन का साहित्यिक परिवेश' में कहानी, उपन्यास और नाटक आदि गद्य विधाओं पर आधारित किताबों के प्रसंग पढ़ने को मिलते हैं। 'साहित्यिक परिवेश व हिन्दी भाषा', 'साहित्यकारों का फक्कड़पन और पत्रकारिता', 'आलोचना की पृष्ठभूमि' और 'अनुवाद से संवाद' शीर्षक अध्याय अपनी संक्षिप्तता व सारगर्भिता के कारण पाठकों पर विशेष प्रभाव अंकित करते हैं।

पूरी किताब विभिन्न किताबों का निचोड़ प्रस्तुत करती है और पाठकों को साहित्यकारों के जीवन, उनकी बहुविध रचनाओं की पृष्ठभूमि के साथ ही अनूठा रसास्वादन करवाती है। लेखक को उनकी बेहतरीन किताब के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। आशा है उनकी रचनात्मकता यूं ही विकास करेगी और आगामी किताबों में पाठकों को दिखाई देगी।

खबर संक्षेप

रेलवे स्टेशन पर मारपीट करने का केस दर्ज

रेवाड़ी। जीआरपी ने लोहारू रेलवे स्टेशन एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने के आरोप में दो भाइयों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जीआरपी को दर्ज बयान में महेंद्रगढ़ के बसई निवासी मुकेश ने बताया कि वह लोहारू की लोको कॉलोनी में रहता है। वह ट्रेन से लोहारू स्टेशन पर उतरा था। उसके साथ लोहारू निवासी विकास और उसके भाई अनिल ने मारपीट करते हुए धमकी दी। जीआरपी ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

सेक्टर-1 से दिन में बाइक चोरी, केस दर्ज

रेवाड़ी। सेक्टर-1 से चोर दिन दहाड़े एक बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में कोनसीवास रोड निवासी विकास ने बताया कि वह किसी काम से बाइक लेकर सेक्टर में गया था। बाइक एक मकान के पास खड़ी करने के बाद वह अपने काम में व्यस्त हो गया। दोपहर करीब 1 बजे वापस आने पर उसे बाइक गायब मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

बहू के साथ झगड़ा होने पर सास घर से गायब

डहीना। थाना खोल अंतर्गत एक गांव में बहू के साथ झगड़ा होने के बाद सास घर से लापता हो गई। पुलिस को दर्ज शिकायत में महिला के पति ने बताया कि उसकी पत्नी का घर में पुत्रवधु के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इसके बाद 19 अप्रैल को शाम के समय उसकी पत्नी घर से लापता हो गई। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी।

महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना माडल टाउन पुलिस ने एक महिला के साथ दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़िता शिकायत के आधार पर गत 10 अप्रैल को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने गुरूग्राम के फरुखनगर निवासी योगेश को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

मारपीट के आरोप में चार पर केस दर्ज

नाहड़। बिसोहा में एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने गांव के चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में रामफल ने बताया कि वह अपने प्लॉट में ट्रैक्टर लाने के लिए गया था। उसके भाई राजेंद्र और परिवार के तीन सदस्यों ने प्लॉट पर कब्जा करने की नीयत से ईंधन डाला हुआ था।

नाहड़ के भोमेश्वर महादेव धाम में भंडारा कल

नाहड़। गांव नाहड़ स्थित श्री भोमेश्वर महादेव धाम में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 23 अप्रैल को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर अखंड रामायण पाठ भी किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक सेवक गोवर्धन सिंह ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने नांगल चौधरी में विजय संकल्प रैली को संबोधित किया

विजय संकल्प रैली के होर्डिंग से राव इंद्रजीत सिंह की फोटो गायब, समर्थकों ने जनसभा से बनाई दूरी

- भीड़ को रोकने के लिए आयोजक मंडल के छूटे पसीने, गुटबाजी ने पार्टी की बढ़ाई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 400 से अधिक सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बनाने का दावा किया है, लेकिन नांगल चौधरी हलके में प्रधानमंत्री के दावों का कितना असर है, इसका नमूना विजय संकल्प जनसभा में तार-तार होता दिखाई दिया। यहां स्टेज के होर्डिंग में केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह की फोटो नहीं लगाई। जिस कारण उनके समर्थकों ने जनसभा से दूरी बना ली। कुर्सियां खाली रहने पर आयोजक मंडल दूर पेड़ों के नीचे बैठे लोगों से पंडाल में आने की गुहार लगाते देखे गए। इसी बीच में रामबिलाश शर्मा ने नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव को पूर्व मंत्री का संबोधन करने पर नाराजगी व्यक्त कर दी। अंत में सीएम का भाषण शुरू होते ही कुर्सियों को खाली करके भीड़ ने घर जाना आरंभ कर दिया। जिससे आयोजक मंडल के चेहरे पर चिंता की लकीरें देखी गई। आपको बता दें कि लोकसभा चुनावों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गंभीर हैं। प्रदेश में सीएम चेहरा बदलकर ओबीसी वर्ग को खुश करने का प्रयास किया गया है। नवगठित सरकार को सभी दस सीटें जीतने का मूलमंत्र दिया गया है। हाईकमान के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री हलका वाइज विजय संकल्प जनसभा करने में जुटे हुए हैं। नांगल चौधरी अनाज मंडी में सिंचाई राज्यमंत्री डॉ अभय सिंह यादव की अगुवाई में जनसभा का आयोजन हुआ है। जिससे कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत होने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं, क्योंकि लोगों का मानना है कि जनसभा को सफल बनाने से अधिक एक गुट को नीचा दिखाने का प्रयास किया गया है। स्टेज पर लगे होर्डिंग से केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह की फोटो नदारद देखकर उनके समर्थक आक्रोशित हो गए। जनसभा में कहीं भी राव समर्थक नजर नहीं आए। सीएम का हेलीकॉप्टर आने तक पंडाल में अंतिम कतार की कुर्सियां नहीं भर पाई। सैकड़ों लोग दूर पेड़ों के नीचे बैठकर भाषण सुनते देखे गए। उन्हें पंडाल में बुलाने के लिए माइक पर कई बार आवाज लगाई, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलाश शर्मा ने नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव को पूर्व मंत्री कहने पर नाराजगी जता दी। उन्होंने कहा कि समय को कोई पता नहीं कब पलटी मार जावे, कई बार गादड़ा से सिंह हार जावे। कोई पूर्व पूर्व नहीं चार जून के बाद एक मंत्रीमंडल का विस्तार और होगा। रामबिलाश शर्मा के इस कथन में स्टेज और पंडाल में संन्नाटा छा गया। इसके बाद लोकसभा प्रभारी गार्गी कक्कड़ ने पूर्व मंत्री को भाषण के बीच में ही टोक दिया। इसके बाद प्रत्याशी धर्मबीर सिंह ने भाषण शुरू किया और उन्होंने मोदी की उपलब्धियों का बखान करके वोट मांगे। अंत में सीएम नायब सैनी ने भाषण शुरू किया, लेकिन लोगों ने कुर्सियां खाली करनी शुरू कर दी। जिस कारण लोगों में गुटबाजी और जनसभा में किए गए कटाक्ष चर्चा का विषय बना रहा है। जनसभा में लोकसभा के प्रभारी एवं कोसली के विधायक लक्ष्मण यादव, अटेली के विधायक सीताराम, पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव, संतोष यादव व अन्य मौजूद रहे।

बैग की चेन खोलकर उड़ाए चालीस हजार रुपये

रेवाड़ी। पंजाब नेशनल बैंक से कैश निकालने के बाद ऑटो मार्केट आए एक व्यक्ति के बैग की चेन खोलकर 40 हजार रुपये चोरी कर लिए गए। उसने पीछा कर रही दो महिलाओं पर चोरी का संदेह व्यक्त किया है। सिटी पुलिस ने केस दर्ज करने बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में काकोड़िया निवासी श्रीपाल ने बताया कि उसने पंजाब नेशनल बैंक की सरकुलर रोड शाखा से 40 हजार रुपये निकलवाए थे। नकदी बैग में डालकर वह किसी काम से ऑटो मार्केट जा रहा था। इस दौरान एक महिला उसके आगे और दूसरी पीछे चल रही है। ऑटो मार्केट जाने के बाद उसने बैग चेक किया, तो बैग की चेन खुली हुई थी। बैग से नकदी गायब थी।

वर्ल्ड अर्थ डे की थीम प्लेनेट वर्सेज प्लास्टिक

औद्योगीकरण के कारण प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से बढ़ रहा संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पृथ्वी दिवस पर विशेष

पृथ्वी हमारा घर है। वह ग्रह जिस पर हम रहते है। यह हमें जीवन के लिए आवश्यक सभी चीजें प्रदान करती है, लेकिन इसके संसाधन सीमित है। मानवीय गतिविधियों ने धरती माता व उसके संसाधनों को खतरे में डाल दिया है। इसीलिए हर साल 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। पृथ्वी दिवस का इतिहास सत्तर के दशक का है। वर्ष 1970 में लोगों को वास्तव में हमारे ग्रह की गंभीर परिस्थितियों का एहसास हुआ और उन्होंने इसकी सुरक्षा के लिए प्रयास करना शुरू कर दिया। 1970 पहला वर्ष था जब पृथ्वी दिवस मनाया गया। लाखों लोग शामिल थे, लोग सड़कों पर उतर आए और सरकार से प्रकृति की रक्षा के लिए कदम उठाने की मांग की। समाज के सभी क्षेत्रों से लोग एकत्र हुए और धरती माता की देखभाल करने का संकल्प लिया। इस तरह उन्होंने प्रकृति के प्रति सम्मान दिखाया और पर्यावरणीय समस्याओं को लोगों के ध्यान में लाया। पृथ्वी दिवस कार्यक्रम के पीछे मुख्य प्रेरणा अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन थे। उन्होंने पर्यावरणविदों, कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम जनता के साथ मिलकर पर्यावरण की रक्षा में ठोस कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा उन्होंने इस समस्या को राजनीतिक स्तर तक ले जाने के लिए भी कड़ी मेहनत की। सीनेटर नेल्सन अपने मिशन में सफल रहे और पहले पृथ्वी दिवस को सरकार और आम लोगों दोनों से भारी समर्थन मिला। अमीर, गरीब, खिलाड़ी, व्यवसायी, किसान आदि सभी लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और पृथ्वी की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हुए। अपने शुरूआती वर्षों में पृथ्वी दिवस मनाना केवल अमेरिका में लोकप्रिय था, लेकिन जल्द ही यह कार्यक्रम वैश्विक हो गया और दुनिया भर के देशों ने इसे मनाना शुरू कर दिया। आज 190 से अधिक देश प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाते हैं। इस उत्सव में प्रकृति की रक्षा, प्रदूषण में कटौती और पर्यावरण संरक्षण के बारे में सीखने के लिए समर्पित कार्यक्रम और कार्यक्रम शामिल होते हैं।

समाज में पृथ्वी दिवस का महत्व

पृथ्वी एकमात्र ऐसा ग्रह है जो जीवन का समर्थन करता है। यह अद्वितीय और एकमात्र स्थान है, जो हमें मिला। यदि हम इसकी रक्षा नहीं कर सके तो यह हमारे अस्तित्व को ही खतरे में डाल देगा। पृथ्वी पर जीवन कई चीजों पर निर्भर है। पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए भूमि, जल, मिट्टी, जंगल, हवा सभी आवश्यक हैं, लेकिन तेजी से औद्योगीकरण, प्राकृतिक संसाधनों की अनियंत्रित खपत, वनों की कटाई, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन आदि ने पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। प्रकृति के पास हम सभी को प्रदान करने के लिए पर्याप्त सामग्री है, हालांकि इसके संसाधनों की गैर-जिम्मेदाराना खुदाई के कारण इसकी जैव विविधता को भारी नुकसान हुआ है और इसकी भूमि, जल निकाय और वातावरण जहरीला हो गया है।

हमें यह समझना होगा कि प्रकृति के अच्छे स्वास्थ्य के बिना हम भी जीवित नहीं रह पाएंगे। पृथ्वी दिवस उत्सव प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, अधिक जनसंख्या आदि के वैश्विक मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करता है। यह हमें प्रकृति के महत्व की याद दिलाता है और हमें उन उपहारों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो प्रकृति हमें हमारे अस्तित्व को बनाए रखने के लिए प्रदान करती है।

पृथ्वी दिवस हमें प्रकृति और समग्र रूप से हमारे ग्रह के प्रति हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। यह वह दिन है जो हमें उन गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है जिनका हम सामना कर रहे है और हमें उनका समाधान कैसे करना चाहिए। यदि हम सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा, पीने के लिए सुरक्षित पानी और फसल उगाने में सक्षम भूमि चाहते है तो हमें इन संसाधनों को बचाने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस समारोह ने लोगों को यह सीख दी है कि हमारा ग्रह वास्तव में खतरे में है और यदि हमने ठोस कदम नहीं उठाए तो जल्द ही हमारे रहने के लिए कोई जगह नहीं होगी।

ग्रह को बचाने के लिए एकजुट होना जरूरी

पृथ्वी दिवस की शुरूआत प्रत्येक व्यक्ति से होती है। जब इस सवाल का सामना करना पड़ता है कि हमें अपने ग्रह की रक्षा के लिए क्या कार्रवाई करनी चाहिए, तो इसका उत्तर सीधा है पर्यावरण के प्रति सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देना। यह आवश्यकता न होने पर प्रकाश बल्ब को बंद करने जितना सरल हो सकता है। पानी की बर्बादी को रोकने के लिए दांतों को ब्रश करते समय नल को बंद करना पड़ सकता है। इसमें किसी भी भारी काम की आवश्यकता नहीं है। प्रकृति का सम्मान करें, प्लास्टिक का उपयोग कम करें और ऊर्जा बचाएं। अपव्यय को सीमित करने और आसपास के वातावरण की देखभाल करने की सरल आदतें, चाहे आपका घर, पड़ोस, बगीचा, जंगल या समुद्र जहां आप छुट्टियों पर जाते है। हमारे ग्रह की रक्षा करने में बहुत मदद करेंगी। छोटे-छोटे कदम उठाने या करने के संकेत और बदलने की आदतें सहज है। एक अरब व्यक्तियों के सामूहिक प्रयास यहां तक कि छोटे लोगों के भी वैश्विक स्तर पर गूंजेंगे और पृथ्वी दिवस समारोह को सार्थक बनाएंगे। एक बार परिवर्तन लागू हो गया और आदतें बन गई, तो हमारी जीवनशैली आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार होने का एक उदाहरण और प्रेरणा होगी।

नारनौल। मुख्यमंत्री की जनसभा के लिए बैठक करते भाजपा कार्यकर्ता।

मुख्यमंत्री 23 को नारनौल में, कार्यकर्ताओं ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह 23 अप्रैल को नांगल चौधरी रोड पर स्थित नई मंडी में प्रातः 10 बजे जनसभा को संबोधित कर भिवानी-महेंद्रगढ़ क्षेत्र से लोकसभा प्रत्याशी चौधरी धर्मवीर सिंह के लिए वोट की अपील करेंगे। जिसको लेकर विधायक व पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने रविवार को अपने कैंप कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की बैठक ली। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने बताया कि जिले की चारों विधानसभाओं में मुख्यमंत्री रैली कर भाजपा प्रत्याशी चौधरी धर्मवीर सिंह के लिए मतदान की अपील करेंगे। इसी कड़ी में रविवार को नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र में जनसभा हो चुकी है तथा 23 अप्रैल को नई मंडी में जनसभा होगी। पूर्व मंत्री ने जनसभा की सफलता के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेवारियां लगाई। उन्होंने बताया कि इस जनसभा में पूर्व शिक्षामंत्री रामविलास शर्मा सहित अनेक मंत्री, विधायक, पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक भाग लेंगे। यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी जी जान से जुट जाए व आने वाली 25 मई को भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी चौधरी धर्मवीर सिंह को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाए। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी के अलावा नगर पार्षद, जिला पार्षद व अन्य मौजूद रहे।

मंसा देवी मंदिर में माता के भंडारे का आयोजन

रेवाड़ी। प्राचीन शक्ति सिद्ध पीठ मां मंसा देवी मंदिर मोहल्ला नई बस्ती में रविवार को माता के भंडारा का आयोजन किया गया। महिला मंडल से सरिता रुस्तगी, किरण शर्मा, कुसुम, सुनीता, पूनम, अनीता, पिंकी, सुमित्रा व लक्ष्य सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भंडारे के आयोजन में सहयोग किया। इससे पहले सुबह मंदिर में माता का हवन व पूजा अर्चना की गई। मंदिर पुजारी पंडित विजय कुमार ने बताया कि मंदिर में चैत्र नवरात्र के समापन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया था।

जमीनी विवाद में महिला को बंधक बनाया, दंपति गिरफ्तार

- पत्नी को कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगा दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रामगढ़ खेड़ी में जमीनी विवाद के चलते दंपति ने एक महिला को कमरे में बंधक बना लिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे का ताला खोलकर दंपति फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को दर्ज शिकायत में रामफल ने बताया कि वह और उसकी पत्नी सरोज अपने घर के सामने प्लॉट में तूड़ा डालने के लिए गए थे। उसने आरोप लगाया कि जमीनी विवाद के चलते उसके भाई बालकिशन और उसकी पत्नी शर्बिना ने दोनों के साथ झगड़ा करना शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों ने मिलकर उसकी पत्नी को कमरे में बंद कर दिया। कमरे को बाहर से ताला लगा दिया। उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो दोनों आरोपी ताला खोलकर वहां से भाग गए। उसने इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी की है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

भरतमुनी कला केंद्र व युवा क्लब ने लगाया रक्तदान शिविर

- शिविर में युवाओं ने 40 यूनिट रक्तदान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था भरतमुनी कला केंद्र व युवा क्लब बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को गांव बीकानेर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के प्रधान मदन डागर, पदाधिकारी कशिश बत्रा व पंकज मेंहदीरत्ता ने सर्वप्रथम रक्तदान करके शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में युवाओं ने 40 यूनिट रक्तदान किया। शिविर में जिला रेडक्रॉस सोसायटी का सहयोग रहा। पीएचसी गंगायचा अहीर से डॉ. ओशीन व टीम सदस्य संजय कुमार एलटी पीएचसी भाड़ावास, विजेंद्र कुमार एलटीयूपीएचसी राजीव नगर, महेंद्र कुमार एलटी सीएचसी मीरपुर, गौरव एनओ ब्लड बैंक, नरेश कुमार काउंसलर ब्लड बैंक व अनिल कुमार डबल्यूए ब्लड बैंक ने ब्लड एकत्रित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है। रक्तदान से हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। रक्तदान से खून का थक्का नहीं जमता, खून कुछ मात्रा में पतला हो जाता है और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। शरीर में ऑक्सीजन ठीक ढंग से सप्लाई होती है। रक्तदान वजन कम करने में भी मदद कर सकता है, इसलिए साल में कम से कम दो बार रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम रहता है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।

रेवाड़ी। रक्तदाताओं को सम्मानित करते संस्था सदस्य।

शिविर में इन लोगों ने किया रक्तदान

शिविर में कवि व मंच उद्घोषक सुधीर यादव, संतोष, जितेश बत्रा, रितिक बत्रा, मनीष, रजनीकांत, सतीश, भारत सिंह, भूदेव,चेतन, बीरेंद्र कुमार,कुणाल, नितेश, संदीप, अंकुश, तरुण, पदम सिंह, विजय पाल, मोहित, विनय, जॉनी, परमजीत, दिनेश, हरीश, धवज, लोकेश, दिलिप, प्रवीण कुमार,योगेश, अरुण यादव, साहिल, हनीश, दीपक, जयदेव, मनीष, मनोज कुमार, हरीश, पवन कुमार, प्रदीप ने रक्तदान किया। इस अवसर पर संस्था के सदस्य ललित वर्मा, गोविंद कौशिक, गजानंद, मोहित राजपूत, आरती सक्सेना, आर्यन, आरव यादव, जिला पार्षद सरोज मेहरा, समाजसेवी धनीराम मेहरा, समाजसेवी रामजस, युवा क्लब के प्रधान योगेश बत्रा, अंकुश वधवा, अर्पित, संजीव यादव व दीपक यादव मौजूद थे।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

सिहमा में दो दिवसीय आर्य समाज का वार्षिकोत्सव आयोजित

नारनौल। सिंहमा गांव के आर्य समाज मंदिर में आर्य समाज की ओर से आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वासुदेव यादव व डा. कृष्णा आर्या मुख्य अतिथि थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा आर्य समाज हमें बहुत कुछ देता है, इसलिए हमें भी आर्य समाज को कुछ अवश्य देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्य समाज हमें संस्कारवान बनाता है, हमें भी आर्य समाज को अपनी अगली पीढ़ी में संस्कार डालने के लिए ऐसे अवसरों पर बच्चों को अपने साथ लाना चाहिए। इस मौके पर आर्य समाज सिंहमा की ओर से पृथ्वी सिंह, मंच संचालक धर्मबीर आर्य, मा. बंशीराम, मा. राजेंद्र, मा. विजयपाल, मा. मधुर, रामनिवास आर्य पानीपत, बीरेंद्र, दलीप सिंह, रामानंद बहरोड़, मा. अर्जुन मुलोदी, अशोक नंबरदार सलूनी, सुभाष आर्य आदि मौजूद थे।

भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर युवा समिति ने मनाई धूमधाम से आंबेडकर जयंती

बाबा साहेब के संविधान की बदौलत ही आज देश में सर्व समाज सुरक्षित: बिरदी चंद गोठवाल

डा. भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती गांव बास किरारोद उमराबाद में उत्साह से मनाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व मैनेजर फूल सिंह महायच ने शिक्षा पर विशेष बल देते हुए बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला

नारनौल। बच्चों को पारितोषिक वितरण करते मुख्य अतिथि । फोटो :हरिभूमि

भारत रत्न व सर्व समाज के मसीहा डा. भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती गांव बास किरारोद उमराबाद में युवा वर्ग की ओर से धूमधाम से मनाई गई। युवा वर्ग की डा. भीमराव अंबेडकर युवा समिति के जयंती समारोह में मुख्य अतिथि सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल थे। अध्यक्षता सरपंच सुनिल सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि प्रमुख समाजसेवी एवं चेयरमैन सुरेश जांगड़ा बौद्ध, पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना, संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष एवं वाल्मीकि सभा के राजेश चांवरिया, कोली समाज के प्रधान तोताराम व वाल्मीकि समाज के प्रधान करतार सिंह जैदिया व पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक जयपाल सिंह थे। मंच संचालन करते हुए युवाओं के मार्गदर्शक व प्रमुख समाजसेवी भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व मैनेजर फूल सिंह महायच ने शिक्षा पर विशेष बल देते हुए बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बिरदी चंद गोठवाल ने दीप प्रज्वलित कर बाबा साहेब को पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया। पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना, पूर्व चीफ मैनेजर मदनलाल डाडैया, राजरत्न बौद्ध, रामसिंह व सुरेंद्र अंबेडकर आदि ने बाबा साहेब की विकट परिस्थितियों से ग्रस्त जीवनी से विस्तारपूर्वक अवगत करवाया। हवासिंह बौद्ध व बच्चों ने बाबा साहेब पर रंगारंग कार्यक्रम पेश कर सभी का मन मोह लिया। गोठवाल ने बताया कि बाबा साहेब के संविधान की बदौलत ही हम सभी सुरक्षित हैं। रुढ़िवादी रिवाजों व व्यवस्थाओं की वजह से वंचित समाज हमेशा शोषण का शिकार रहा है और बाबा साहेब के साथ बहुजन समाज के महापुरुषों ने शोषण, जातिगत भेदभाव, छुआछूत, अंधविश्वास जैसी कुरीतियों व अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़कर, सुख सुविधाएं त्याग कर व कुर्बानियां देकर अहम भूमिका निभाई है तथा संविधान के रूप में शिक्षा, नारी सशक्तिकरण, समानता आदि का अधिकार दिलाया।

इस मौके पर अशोक बौद्ध, संघर्ष समिति के सचिव सुमेर सिंह गोठवाल, ब्लॉक सचिव हजारीलाल खटावला, पूर्व मुख्याध्यापक रामजीलाल रंगा, रामभरोस भीम, प्रमुख समाजसेवी रामशरण रेवाला, युवा समिति के प्रधान अनिल महायच, यशपाल चौहान, मैनपाल, संजय इंदौरा, नरेंद्र चंदू इंदौरा व अन्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। शिविर के दौरान मरीजों की नेत्र जांच करते पूर्व सीएमओ डॉ. ओपी आर्य। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 265 मरीजों के नेत्र की हुई जांच

महेंद्रगढ़। गांव खातोद व निम्भेड़ा में संजीवनी ऑई हॉस्पिटल के सौजन्य से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पूर्व सीएमओ डॉ. ओपी आर्य द्वारा पढ़ने वाले बच्चों को भी मोबाइल व धूम्रपान से दूर रहने की हिदायत भी दी। डॉ. आर्य ने बताया कि आजकल मोबाइल की वजह से पढ़ने वाले बच्चों में आंखों की समस्याएं बहुत ज्यादा आ रही हैं, जिसकी वजह से क्षेत्र के गांवों में निशुल्क कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप का उद्देश्य जरूरतमंद की मदद करना है।

भगवान श्रीकृष्ण के मौजूद होने के साक्ष्यः महाराज

नारनौल। स्वामी हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव महाराज ने रविवार को एडवोकेट अनिल गुप्ता के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर परम पूज्य स्वामी हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव महाराज का स्वागत चित्रपट व पटका पहनाकर किया गया। इस अवसर पर उनके साथ आए श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास के मार्गदर्शक महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने कहा कि 13.7 एकड़ भूमि भगवान केशव देव की है।

अधिकारियों को शिकायत के बाद भी नहीं हो रहा समाधान

महेंद्रगढ़। गांव खायरा के हनुमान मंदिर के पास सतनाली रोड पर मोटी मधुमक्खियों के 8 से 10 छते लगे हुए हैं, जिस कारण अनेक बार स्थानीय निवासियों व राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है। इसको लेकर गांव खायरा निवासी राकेश कुमार ने जिला उपायुक्त व एसडीएम को भी शिकायत देने के बावजूद भी कोई समाधान नहीं हुआ। राकेश कुमार ने बताया कि जहां पर लगभग 8 से 10 परिवार रहते हैं। इन मधुमक्खियां ने कई बार यहां के निवासियों व उनके पशुओं को काटा है। इस सड़क मार्ग से अनेकों गांवो के ग्रामीणों तथा स्कूली बच्चों का आवागमन होता है। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से इन मधुमक्खियां के छतों को हटाने की मांग की है।

सलामपुरा में हनुमान जयंती पर भंडारा कल

नारनौल। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर सलामपुरा युवा संगठन की ओर से हनुमान मंदिर में रामचरित मानस पाठ, हवन व भंडारे का आयोजन 23 को अप्रैल को किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए संगठन के प्रधान ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सलामपुरा युवा संगठन हनुमान मंदिर सलामपुरा में रामचरित मानस पाठ, यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को रामचरित मानस पाठ शुरू किया जाएगा व 23 अप्रैल को प्रातः नौ बजे पंडितों की ओर से यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। प्रधान ने बताया कि 11:15 बजे पूर्ण आहुति के पश्चात भोग आरती होगी।

प्रत्याशी को सोशल मीडिया अकाउंट पर देनी होगी जानकारी

चुनाव में खर्च की निर्धारित सीमा 95 लाख तय, रैली में केवल दे सकते हैं पानी व लस्सी

- स्टार प्रचारक का सारा खर्चा भी प्रत्याशी के खर्चे में जोड़ा जाएगा
- राजनीतिक दल सभी नियमों की पूरी तरह अनुपालना करें।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

डीसी मोनिका गुप्ता।

भिवानी महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि भारतीय निर्वाचन आयोग ने लोकसभा आम चुनाव के लिए कुछ संहिता जारी की हैं। सभी राजनीतिक दल इनकी अनुपालना करें। उन्होंने बताया कि यदि कोई राजनीतिक दल स्टार प्रचारक को चुनावी मैदान में प्रचार के लिए उतारती है, तो उसका सारा खर्चा प्रत्याशी के खर्चे में जोड़ा जाएगा। यदि चुनाव प्रत्याशी स्टार प्रचारक के साथ मंच साझा करता है या प्रत्याशी का नाम या फोटो लगाता है तो रैली का सारा खर्चा प्रत्याशी के खर्चे में जोड़ा जाएगा। भिवानी महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर ने बताया कि चुनाव प्रत्याशी को अपने सोशल मीडिया अकाउंट की भी जानकारी देनी होगी। इंटरनेट कंपनियों व वेबसाइट और रचनात्मक विज्ञान सामग्री तथा वेतन के लिए भुगतान कार्य कर्मचारियों के वेतन और मजदूरी सहित सभी व उनके सोशल मीडिया खाते में दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि रैली के दौरान केवल पानी व लस्सी ही दे सकते हैं। यह सभी जानकारी भी उम्मीदवारों को रिटर्निंग अधिकारी को देनी होगी। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार बिना मुद्रक और प्रकाशक का नाम तथा पता लिखे चुनाव संबंधी पूर्ण पोस्टर छापने या प्रकाशित करने पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध है।

10 से ज्यादा वाहन एक साथ नहीं चलेंगे

उन्होंने बताया कि जिले में (एमसीएमसी) मीडिया प्रमाण पत्र निगरानी समिति 24 घंटे खबरों व विज्ञापन पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि चुनावी में खर्च की निर्धारित सीमा 95 लाख तय की गई है। एक रोड शो में 10 से ज्यादा वाहन एक साथ नहीं होंगे। वाहन की संख्या पर कोई लिमिट नहीं है, लेकिन एक साथ दस से अधिक नहीं चलेंगे। रेलियों के दौरान पब्लिक के पर्सनल व्हीकल पर कोई खर्चा नहीं जोड़ा जाएगा, लेकिन यदि उस पर झंडा बैनर या पोस्ट होगा तो उसका खर्चा प्रत्याशी के खाते में जोड़ा जाएगा। यदि कोई वहां कमर्शियल है तो उसका खर्चा भी प्रत्याशी के खाते में जोड़ा जाएगा।

नारनौल। वाटर कूलर जनसेवा में समर्पित करते समिति के सदस्य।

आध्यात्मिक प्रचार समिति ने वाटर कूलर किया समर्पित

नारनौल। श्री नारायण दत्त श्रीमाली आध्यात्मिक प्रचार समिति की तरफ से रविवार को शहर में सद्गुरु देव डा. नारायण दत्त श्रीमाली का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समिति की ओर से रेवाड़ी रोड पर मोड़ा वाला मंदिर गेट के सामने एक वाटर कूलर युक्त पियाऊ जनसेवा के लिए समर्पित की गई। समिति के सदस्यों एवं शिष्य साधक भाई बहनों ने अपने नेक कमाई के सहयोग से इस वाटर कलर के लिए राशि एकत्रित करके इसे जनसेवा को समर्पित किया। इस अवसर पर डा. कविता व सतीश कुमार ने कहा कि सतगुरु के बताए हुए उपदेशों पर चलते हुए विश्व कल्याण व सनातन धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए आध्यात्मिकता की तरफ भी जरूर मुड़ना चाहिए, ताकि सनातन धर्म व संस्कृति की रक्षा हो सकें। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष की गौरवमय संस्कृति, सनातन धर्म की विधाओं व ज्ञान के बलबूते पर ही भारतवर्ष का नागरिक सुखी रह सकता है और बच्चों में अच्छे संस्कार आ सकते हैं। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने राहगीरों को सनातन धर्म, संस्कृति व चेतना की ज्ञान वर्धक पुस्तक तथा प्रसाद वितरित किया। इस मौके पर रामानंद शर्मा, कल्याण चंद शर्मा, धर्मसिंह सैनी, सतीश सैनी व विकास गोयर आदि मौजूद थे।

हाईवे के नेटवर्क से देश की सीमाएं हुई सुरक्षित

10 साल के शासन में भाजपा सरकार ने बढ़ाई सेना की ताकत

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर साधा निशाना, 50 साल में गरीबों को उभारने का झांसा देकर वोट बटोरने का लगाया आरोप, नीति व नेता विहीन हुआ विपक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। जनसभा में मंचासीन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व अन्य।

प्रदेश की सभी 10 सीटें जीतेगी पार्टी

सीएम ने कहा कि चौ. धर्मबीर मेरे साथी सांसद रहे हैं। इन्होंने लोकसभा में हलके की आवाज उठाने में सबसे अधिक सक्रियता दिखाई है। 24 घंटे हलके के विकास की योजनाएं बनाने तथा उनको अमलीजामा पहनाने में भरसक प्रयास किए हैं। चौ. धर्मबीर को दिए गए वोट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ताकत मिलेगी और राष्ट्र की तकदीर का निर्णय होगा। प्रदेश की सभी 10 तथा पूरे देश में भाजपा को 400 से अधिक सीटें मिलने वाली हैं।

लॉजिस्टिक हब, मेडिकल कॉलेज से पूरा जिला होगा लाभांवित

सिंचाई राज्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले दूसरे देशों के प्रभाव में विदेश नीतियां बनती थी, लेकिन अब दुनिया की विदेश नीतियों में भारत का योगदान होता है। प्रधानमंत्री ने देश के बॉर्डरों पर हाईवे व हवाई अड्डों का निर्माण करके सेना को मजबूत किया है। पर्ची-खर्ची की प्रथा खत्म होने से योग्य युवाओं को नौकरियां मिलने लगी हैं। उन्होंने कहा कि चौ. धर्मबीर को वोट देने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मजबूत होगा और उनकी मजबूती से विकसित भारत का सपना पूरा हो सकेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नांगल चौधरी में चुनावी जनसभा करके भाजपा प्रत्याशी चौ. धर्मबीर सिंह के लिए वोट मांगे। तर्क दिया कि भाजपा राष्ट्र के लिए वोट मांगती है और विपक्षी दल अपने स्वार्थ के लिए वोट मांग रहे हैं। हरियाणा में 25 मई को देश की तकदीर लिखी जाएगी। जिसमें भिवानी-महेंद्रगढ़ की जनता की भागीदारी होना अनिवार्य है। जनसभा की अध्यक्षता सिंचाई एवं अर्द्ध सैनिक कल्याण राज्यमंत्री डा. अभय सिंह यादव ने की। सीएम ने कहा कि भाजपा का 10 वर्षीय शासन कांग्रेस के 50 सालों पर भारी है, क्योंकि 2014 के भारत में सड़कों का नेटवर्क नहीं था, सीमाएं सुरक्षित नहीं थी। कश्मीर में आंतकियों का जमावड़ा था। जिनकी शह में सेना पर पत्थरबाजी होना आम था। जवानों को अपनी सुरक्षा में बल प्रयोग करने की तक की इजाजत नहीं थी। सड़कों का नेटवर्क नहीं होने से सेना को सीमाओं की रक्षा करने में जोखिम बना रहता था, लेकिन 2014 में सत्ता संभालते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना को मजबूत करने का बीड़ा उठाया और संवेदनशील बॉर्डरों पर हाइवे व हावाई अड्डे बनाए। जिसकी मदद से आपात परिस्थितियों में भारतीय सेना तत्परता से इधर से उधर मुवमेंट कर सकती है। अब कश्मीर में सेना पर पत्थराव नहीं होता, बल्कि सम्मान मिलने लगा है, लेकिन विपक्षी दलों को राष्ट्र का विकास बर्दाश्त नहीं हो रहा है और भिन्न-भिन्न भ्रांतिया फैलाकर समाज को तोड़ने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए सीएम ने कहा कि 1970 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदरा गांधी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था। उसके बाद पार्टी ने 50 साल शासन कर लिया, लेकिन गरीबी नहीं हटाई। इसके विपरीत भ्रष्टाचार को बढ़ावा देकर देश को पीछे धकेलने का काम किया है। अब कांग्रेस के नेता राहुल गांधी एक घंटे में गरीबी हटाने का झांसा देकर जनता को मूर्ख बनाने की असफल कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पर्ची और खर्ची की परंपरा को खत्म करके पढ़े-लिखे युवाओं का सम्मान बढ़ाया है। जिससे प्रभावित देश की जनता ने तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि सांसद धर्मबीर को दिया गया वोट नरेंद्र मोदी की ताकत बढ़ाएगा।

हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति की ओर से हनुमान जयंती पर यादव सभा में कार्यक्रम

- प्रभु श्रीराम व भक्त हनुमान हमारे आराध्य देव : डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। भजनों पर झूमती करती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

शहर की यादव धर्मशाला में रविवार को श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति की ओर से हनुमान जयंती के उपलक्ष में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माता बिमला देवी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ समिति अध्यक्षता डॉ. पवित्रा राव, प्रेम राव व पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश लावनिया ने की। इस दौरान संगीतमय सुन्दरकांड पाठ का आयोजन व बाबा बजरंगबली के सुन्दर भजनों ने माहौल को पूरी तरह से भक्तमय बनाए रखा। कार्यक्रम में मातृशक्ति की संख्या काफी अधिक रही जो हनुमानजी के भजनों पर नाच-गाकर उनका स्मरण करती नजर आई। कार्यक्रम के दौरान समिति अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव ने उपस्थित राम व हनुमान भक्तों को कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के सर्वोत्तम सेवक, सखा, सचिव और भक्त हनुमान थे। जहां भी श्रीराम की आराधना होती है, हनुमान का स्मरण अपने आप हो आता है। वे सद्गुणों के भंडार थे। हनुमान अपने भक्तों को शौर्य, साहस और जीवन शक्ति प्रदान करते है। वह अपने भक्तों के जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करते हैं और खुशी तथा संतोष लाते है।

भजनों ने बांधा समां

इस दौरान संगीममय सुन्दरकांड पाठ के बाद भगवान श्रीराम व हनुमानजी के सुंदर भजनों ने सभी का मन मोह लिया। गायक कलाकार हरिशंकर कौशिक ने अपने भजनों पर सभी भक्तों को खूब झुमाया। इसके बाद हरिप्रकाश जोशी ने माहौल को पूरी तरह से भकतमय बना दिया। अन्य गायक कलाकारों ने भजन सुनाकर खूब तालियां बटोरी। अंत में प्रभु आरती के बाद उपस्थित भक्त जनों को प्रयाद के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक-एक तुलसी का पौधा व सुंदरकांड पाठ की पुस्तक सभी भक्तों को वितरित की।

राधाकृष्ण संगठन ने निकाली प्रभात फेरी

नारनौल। राधाकृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 66वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रभात फेरी के यजमान वरिष्ठ अधिवक्ता अग्रवाल सभा के प्रधान प्रेमचंद गुप्ता ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती करके सभी को चंदन का तिलक लगाया। प्रभात फेरी उनके निवास स्थान से प्रारंभ होकर हुड्डा सेक्टर, शिव कॉलोनी में परिक्रमा करके यजमान के निवास स्थान पर समाप्त हुई। परिक्रमा मार्ग में धरती के प्रत्येक जीव जंतु ने एक भाव से प्रातः काल की बेला में ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे नाम का गूंजन किया। इस दौरान लोगों ने घरों से बाहर निकाल कर ठाकुर जी के दर्शन किए व आरती कर प्रसाद वितरित किया।

बैठक में समस्याओं को लेकर हुई चर्चा

- शहर सुधार संघर्ष समिति ने किया समस्याओं पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बैठक में भाग लेते समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका के गांधी पार्क में रविवार को शहर सुधार संघर्ष समिति की ओर से समिति के प्रधान श्रीचंद सिद्धि की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शहर की समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया गया। समिति के सदस्यों ने कहा कि शहर में सफाई व कूड़ा उठान काफी दिनों से नहीं हो रहा हैं। शहर की गलियों में गंदगी के अंबार लगे हैं। इसके अलावा बाजार व वार्डो में सड़क नालिया पूरी तरह से टूटी हुई हैं। शहर के 11 हट्टा बाजार की सड़कों की हालत भी बहुत दयनीय हैं। सड़क पर बने गहरों गड्ढों के कारण आए दिन लोग हादसे के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाउस टैक्स को लेकर शहर के लोगों को काफी परेशानी हो रही हैं। नगर पालिका के अधिकारियों ने मनमाना टैक्स हाउस, डेवलपमेंट चार्ज, सीवरेज चार्ज व प्रॉपर्टी टैक्स लगाया हुआ हैं। प्रॉपटी आईडी में भी लोगों की प्रॉपटी गलत दशाई गई हैं। जिससे आमजन को बाहरी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। पिछले दिनों सरकार ने प्रॉपर्टी आईडी ठीक करने की हिदायत देकर नगर पालिका में कैंप लगाया था। इसके बावजूद नगर पालिका की लापरवाही से त्रुटियां ठीक नहीं हुई।

पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर किया पौधरोपण

महेंद्रगढ़। गांव सीगड़ा के मुक्तिधाम आश्रम में पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर प्रयास श्री बालाजी संस्था प्रमुख मनोज में घनवास के मार्गदर्शन में पौधरोपण किया गया। मनोज ने कहा कि पृथ्वी दिवस आधुनिक युग में एक विशेष दिवस बन गया है। क्योंकि धरा अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही हैं। जैसा कि हमारी संस्कृति में इसे मां अर्थात जननी का स्थान दिया गया है। यह हमारी पालक हैं। आज मानव उत्पादन बढ़ाने व विकास के नाम पर अपनी गलतियों की वजह से इसे बंजर बनाने पर उतारू है। जिस वजह से भूमि की ऊपरी सतह बिल्कुल प्रदुषित हो चुकी है। पौधरौपण की व्यवस्था देख रहे संस्था सदस्य अनय सीगडा व सत्यबीर ने बताया कि प्रयास संस्था का मुख्य उद्देश्य पौधरोपण कर उनकी रक्षा सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

देवीलाल की नीतियों को आगे बढ़ाएं

- राव बहादुर सिंह को भारी मतों से जीताने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गांव बसई में ग्रामीण सभा को संबोधित करते जेजेपी के प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला। फोटो : हरिभूमि

जेजेपी प्रत्याशी राव बहादुर सिंह केवल नाम के ही बहादुर नहीं, ये काम के भी बहादुर हैं और हमेशा यहां की जनता के दुख-दर्द में हमेशा बराबर के शरीक रहे हैं। उक्त विचार जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विज सिंह चौटाला ने राव बहादुर सिंह के समर्थन में रिवासा, सिसोठ, भगडाना, पाली, धौली, झाखड़ी, जांट, भुरजट, आदलपुर, खरखड़ा, गढ़ी, बास, आकोदा की ढाणी, आकोदा, बसई, स्याणा, पोता, बाघोत, खेड़ी, तलवाना, बवाना, मालड़ा सराय, मालड़ा, बास, लावन, माजरा कलां व झूक में ग्रामीण जनसभाओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। जजपा नेता दिग्विजय सिंह चौटाला ने जनसभाओं में ग्रामीणों द्वारा किए गए गर्मजोशी से स्वागत के लिए पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की तरफ से उनका आभार प्रकट किया और कहा कि आज वह राव बहादुर सिंह के लिए आप लोगों से वोट मांगने आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के चुनाव में राव बहादुर ने भिवानी जिले से बड़ी लीड हासिल की थी, लेकिन यहां महेंद्रगढ़ जिले में पीछे रह गए थे। इसलिए अबकी बार पक्का मन बना लें कि महेंद्रगढ़ जिले से इनको भारी मतों से जीताकर भेजेंगे।

शिवाजी नगर में किया सुंदरकांड पाठ

- रंग-बिरंगे फूलों से सजाया बालाजी महाराज का दरबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। सुंदरकांड पाठ करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को मोहल्ला शिवाजीनगर में लक्ष्मी नारायण हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ किया गया। जिसके मुख्य यजमल अजय सिंगला थे। सर्वप्रथम बाबा की ज्योत प्रज्ज्वलित कर गणेश वंदना, हनुमान चालीसा व रामधुन के साथ सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल ने की। राजेश सोनी ने रंग-बिरंगे फूलों से बालाजी महाराज का भव्य दरबार सजाया। इस अवसर पर गौरीशंकर शर्मा, महावीर प्रसाद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, राजेश सोनी, शिवशंकर अग्रवाल, विजय हल्दिया, संजय शर्मा, नवीन जैन, काशीराम सैनी, नवीन बंसल, नरेंद्र, राकेश गुप्ता, चंचल संघी ने सुंदरकांड पाठ के दौहे व चौपाइयों का गायन किया। मंडल के प्रमुख सदस्य नरेंद्र गर्ग ने मुख्य यजमान को बालाजी महाराज की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद भजनों का दौर शुरू हुआ। जिसमें महावीर प्रसाद अग्रवाल ने आ लोट के आजा हनुमान तुझे श्री राम बुलाते हैं, जितेश अग्रवाल ने जय हो जय हो तुम्हारी बजरंगबली लेकर शिव रूप आना गजब हो गया आदि भजनों से भगवान की महिमा का गुणगान किया। अंत में मंडल के सलाहकार संजय अग्रवाल ने बालाजी महाराज का प्रसाद रूपी खजाना लुटाया।

मंथन रविदास मंदिर में हरियाणा प्रदेश रविदास महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक

सत्ताधारी पार्टी ने बार-बार किया अनुसूचित जातियों के हकों पर कुठाराघात

इस बार लोकसभा चुनावों में संविधान विरोधी ताकतों को उखाड़कर ही दम लेंगे : महासभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। रविदास मंदिर में महासभा की बैठक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रविदास मंदिर में हरियाणा प्रदेश रविदास महासभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष शिव लाल दहिया ने की। संयोजन वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत तहसीलदार लालाराम नाहर ने किया। इस पर अवसर महासभा ने फैसला लिया कि संविधान विरोधी ताकतों को उखाड़ फैंकना होगा, ताकि अनुसूचित वर्गों के हक सुरक्षित हो सके। अनुसूचित जातियों के हकों पर कुठाराघात सत्ताधारी पार्टी ने बार-बार किया है। संविधान विरोधी ताकतें अंग्रेजों की नीति फूट डालो और राज करो की नीति पर चल रही है और सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का कुप्रयास कर रही हैं, जिस कारण इन्होंने सामाजिक भाईचारा तहस-नहस कर दिया है। हरियाणा प्रदेश रविदास महासभा के अध्यक्ष शिव लाल दहिया ने कहा कि काफी वर्षों से महासभा माननीय सर्वोच्च न्यायालय में अपने हकों की रक्षा हेतु लड़ाई लड़ रही है, जिस कारण समाज का काफी आर्थिक नुकसान हुआ है और सामाजिक विकास रुक गया है। इसलिए ऐसी ताकतों को उखाड़ना जरूरी है। महासभा ने कहा कि पिछले कुछ अरसे से पिछड़े वर्गों को उनके हक न देकर उन्हें अनुसूचित जाति की श्रेणी में डालकर अपनी दोहरी मानसिकता का प्रमाण दे रहे हैं। संविधान विरोधी कार्य करके अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों के हकों पर डाका डाल रहे हैं। ये सरासर भारतीय संविधान की अवमानना है। हरियाणा प्रदेश रविदास महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी का चुनाव अगस्त माह में होगा यह फैसला भी लिया गया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव जगरूप सिंह पातलान, प्रदेश कोषाध्यक्ष आरके दहनवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मवीर मदीना, प्रदेश प्रवक्ता अशोक बामनिया, प्राचार्य राममेहर मान, सूरजभान माहरा, चंदन सिंह जालवान, आनंद एडवोकेट रेवाड़ी आदि मौजूद रहे।